BIHAR FOUNDATION
BONDING • BRANDING • BUSINESS

बिहार सरकार
उद्योग विभाग

+91 0612 2547371
+91 85442 99526
https:// biharfoundation. bihar.govt.in

सम्प्रति बिहार

बिहार फाउन्डेशन की प्रस्तुति

बिहार के महत्वपूर्ण अखबारों में छपे **सकारात्मक** समाचारों का संकलन

आषाढ़ शुक्ल पक्ष पूर्णिमा बुधवार विक्रम संवत् 2079 । 13 जुलाई 2022

JKDESIGN 8369994118

6TH FLOOR, INDIRA BHAWAN, RCS PATH, PATNA-800001. BIHAR, INDIA.

शताब्दी समारोह | बिहार के वैभव को न ही कोई मिटा सकता न झुका सकता | इसी ने पंचायतों में पहली बार महिलाओं को 50% कोटा दिया | हमें 25 वर्षों में नए भारत के स्वर्णिम लक्ष्य को पाना है

बिहार बढ़ेगा तो देश मजबूत होगा:मोदी

पटना, हिन्दुस्तान ब्यूरो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बिहार जितना बढ़ेगा, भारत उतना ही मजबूत होगा। बिहार जितना सशक्त होगा, भारत भी उतना ही सामर्थ्यवान बनेगा। पूरी दुनिया मानती है भारत विश्व में लोकतंत्र की जननी है। वैश्विक मंचों पर मैं गर्व से कहता हूं, भारत मदर ऑफ डेमोक्रेसी है। बिहार ने भारत को लोकतंत्र पर चलने का रास्ता सिखाया। बिहार की गौरवशाली विरासत पाली में मौजूद है।

प्रधानमंत्री मंगलवार को बिहार विधानसभा भवन के शताब्दी समापन समारोह के मौके पर वर्तमान व पूर्व जनप्रतिनिधि, सांसद-पूर्व सांसद, विधायक-पूर्व विधायक, केन्द्र व राज्य सरकार के मंत्रियों को संबोधित कर रहे थे। इससे पूर्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शताब्दी स्मृति स्तंभ का अनावरण किया। शताब्दी स्मृति उद्यान में कल्पतरु का पौधा लगाया। उन्होंने रिमोट से बिहार विधानसभा के संग्रहालय और अतिथिशाला का शिलान्यास भी किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बिहार का यह स्वभाव है कि जो बिहार से स्नेह करता है बिहार उस प्यार को कई गुना करके लौटाता है। मुझे बिहार विधानसभा परिसर में पहले प्रधानमंत्री के रूप में आने का सौभाग्य मिला इसके लिए मुख्यमंत्री, विधानसभा अध्यक्ष और यहां के जन-जन का आभार। कहा कि बिहार विधानसभा का अपना समृद्ध इतिहास रहा है। यहां एक से एक साहसिक निर्णय हुए हैं। सत्येन्द्र प्रसाद सिन्हा ने स्वदेशी चरखा और स्वदेशी उद्योग अपनाने की अपील की थी। श्रीकृष्ण सिंह (श्रीबाबू) ने अंग्रेजों के सामने शर्त रखी थी कि वे सरकार तब बनाएंगे जब ब्रिटिश हुकूमत चुनी हुई सरकार के कामकाज में दखल नहीं देगी। जमींदारी उन्मूलन अधिनियम देश में सबसे पहले यहां से पारित हुआ।

पीएम मोदी ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश जी की सरकार ने इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए पंचायती राज अधिनियम पास किया। बिहार पहला राज्य बना जहां महिलाओं को 50 फीसदी आरक्षण दिया गया। समान भागीदारी व अधिकारों के लिए कैसे काम किया जा सकता है, बिहार विधानसभा इसका उदाहरण है। उन्होंने कहा कि बिहार के वैभव को न कोई मिटा सकता है और न ही झुका सकता है। हमें अगले 25 वर्षों में नए भारत के स्वर्णिम लक्ष्य तक पहुंचना है। मौके पर राज्यपाल फागू चौहान, सीएम नीतीश कुमार, विधानसभा अध्यक्ष विजय सिन्हा, विधान परिषद के कार्यकारी सभापति अवधेश नारायण सिंह, विस के उपाध्यक्ष महेश्वर हजारी, संसदीय कार्य मंत्री विजय चौधरी, भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी और विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव उपस्थित थे।

➤ विशेष कवरेज P 06, 07

शताब्दी स्तंभ युगों-युगों तक याद रहेगा

अभिवादन बिहार विधानसभा के शताब्दी समारोह के समापन कार्यक्रम में भाग लेने आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पटना एयरपोर्ट पर स्वागत करते मुख्यमंत्री नीतीश कुमार। साथ में हैं राज्यपाल फागू चौहान।

देश के पहले पीएम जो बिहार विधानसभा में आए:नीतीश

- कहा, पीएम का हम सब लोग स्वागत करते हैं
- विस अध्यक्ष के प्रयास से पीएम ने समय दिया

पटना, हिन्दुस्तान ब्यूरो। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विधानसभा शताब्दी समापन समारोह में शामिल होने आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दिल से स्वागत किया। कहा कि शताब्दी समारोह में पीएम मोदी उपस्थित हुए हैं। इसके लिए हम सब स्वागत करते हैं और सम्मान प्रकट करते हैं। विस परिसर में पहली बार कोई प्रधानमंत्री आए। यह बहुत बड़ी बात है। सबको यह दिन याद रहेगा।

अपने संक्षिप्त भाषण में मुख्यमंत्री ने कहा कि शताब्दी समारोह की जब शुरुआत हुई थी तो उस समय राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद आए थे। उसी समय हमलोगों ने तय किया था कि समापन कार्यक्रम में प्रधानमंत्री को बुलाया जाए। इसके लिए विधानसभा अध्यक्ष ने प्रयास किया और प्रधानमंत्री ने समय दिया। आज यहीं से विस संग्रहालय और अतिथिशाला का शिलान्यास भी हुआ। कार्यक्रम में पीएम शामिल हो रहे हैं, यह खुशी की बात है। बिहार विभाजन के इतिहास का जिक्र करते हुए सीएम ने कहा कि बंगाल से अलग होकर यह राज्य बना। विधान परिषद के तत्कालीन सभापति ताराकांत झा ने भी सौवें साल पर आयोजन कराया था। इसके बाद हुए व्याख्यानमाला में पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम शामिल हुए थे। विधानसभा का स्थापना दिवस पूर्व विस अध्यक्ष विजय चौधरी के समय 2016 से मनाया जा रहा है। इसी कड़ी में शताब्दी समारोह का आयोजन हुआ।

विधानसभा में बना शताब्दी स्मृति स्तंभ 40 फीट ऊंचा

विधानसभा का शताब्दी स्मृति स्तंभ 40 फीट ऊंचा है। इस पर 25 फीट तक राजस्थान के जैसलमेर के पत्थरों का इस्तेमाल किया गया है। इसके ऊपर 15 फीट का ब्रांज मेटल का बोधि वृक्ष का प्रतीक बना है। इसमें 318 पत्तियां हैं जो 243 विधानसभा सदस्य व 75 विधान परिषद सदस्यों के प्रतीक रूप में हैं। 38 डालियां बिहार के 38 जिलों और 9 मोटे तने बने हैं जो नौ प्रमंडलों को दर्शाते हैं। अष्टकोणीय स्मृति स्तंभ की चारों दिशाओं में अजेय की लटकती 4 मालाएं हैं।

पीएम ने लगाया कल्पतरु का पौधा अतिथिशाला की आधारशिला रखी

प्रधानमंत्री ने बिहार विधानसभा शताब्दी स्मृति स्तंभ का लोकार्पण करने के दौरान परिसर में कल्पतरु का पौधा लगाया। पीएम ने स्मृति स्तंभ की खूबसूरती व भव्यता को देखा। फिर यहां से पैदल ही प्रधानमंत्री समारोह स्थल पर पहुंचे। विस अतिथिशाला व संग्रहालय का भी शिलान्यास किया। संग्रहालय में विधायिका का इतिहास रखा जाएगा। विधानसभा परिसर स्थित उद्यान का शताब्दी स्मृति उद्यान के रूप में नामकरण किया। पीएम ने पुस्तक इतिहास के झरोखे से-जानिए अपने विरासत का भी लोकार्पण किया।

पीएम मोदी बोले, देवघर से पूर्वी भारत का विकास द्वार खुलेगा

देवघर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देवघर में अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट और एम्स जनता को सौंपा और कहा कि बाबा भोलेनाथ की कृपा है, जो जनता-जनार्दन के सपने पूरे हो रहे हैं। झारखंड में 16,800 करोड़ की योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास हो रहा है। इन योजनाओं से न केवल झारखंड बल्कि बिहार व बंगाल भी लाभान्वित होंगे। देवघर से पूर्वी भारत के विकास का द्वार खुलेगा। ➤ ब्योरा P 07

सौजन्य से हिन्दुस्तान | पटना | 13.07.2022 | पृष्ठ सं० 01

| सौगात | भागलपुर में मना देवघर एयरपोर्ट शुरू होने का जश्न, अब देवघर से हवाई सेवा का आनंद उठाएंगे पूर्वी बिहार के लोग, 250 के बदले 121 किमी जाकर पकड़ सकेंगे विमान

देवघर एयरपोर्ट: पूर्वी बिहार के शहरों को मिली नजदीकी हवाई सुविधा

भागलपुर, वरीय संवाददाता। देवघर में एयरपोर्ट शुरू होने की जितनी खुशी झारखंड में देखी गयी, उतनी ही पूर्वी बिहार में। मंगलवार को देवघर में प्रधानमंत्री ने जैसे ही एयरपोर्ट का उद्घाटन किया, भागलपुर में स्टेशन चौक पर केक काटकर जश्न मनाया गया। इस खुशी की वजह स्पष्ट है। भागलपुर के लोगों को हवाई जहाज पकड़ने के लि अभी पटना, बागडोगरा या दरभंगा जाना पड़ता है। तीनों शहरों की औसतन दूरी ढाई सौ किलोमीटर है। देवघर एयरपोर्ट की दूरी मात्र 121 किलोमीटर है। दो से तीन सौ तक एयर टिकट की बुकिंग भागलपुर में रोज होती है। ये लोग निश्चित रूप से अब देवघर एयरपोर्ट का ही इस्तेमाल करेंगे। अच्छी बात यह भी है कि भागलपुर से देवघर तक जाने के लिए अच्छी सड़क उपलब्ध है। पूर्वी बिहार के बांका, मुंगेर, जमुई व लखीसराय जिलों को भी भागलपुर की तरह ही हवाई यात्रा की नई व नजदीकी सुविधा मिल गई है।

ईस्टर्न बिहार इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के महासचिव आलोक अग्रवाल ने बताया कि देवघर एयरपोर्ट चालू होने से भागलपुर के लोगों को लाभ मिलेगा। अब उनका समय बचेगा। बाहर के व्यापारी भी अब भागलपुर से आ सकेंगे। ऐसी स्थिति में यहां का व्यापार बढ़ने की संभावना है। इसके अलावा बाहर रहकर पढ़ने वाले छात्रों को भी घर आने में आसानी होगी। इधर, एक नौकरी पेशा अमित कुमार ने बताया कि कंपनी के काम के सिलसिले से अक्सर दूसरे राज्य जाना पड़ता है। देवघर हवाई अड्डा चालू होने से अब जाने में आसानी होगी। समय की बचत होगी।

भागलपुर जिले में एनटीपीसी कहलगांव, कृषि विवि, ट्रिपल आईटी, इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज और अस्पताल, टीएमबीयू जैसी बड़ी संस्थाएं हैं। सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल भी जल्द शुरू होने वाला है। भागलपुर से सिल्क का कारोबार देश के विभिन्न राज्यों के अलावा विदेशों में भी होता है। सिल्क कारोबार से जुड़े लोग दूसरे शहरों में जाने के लिए काफी संख्या में हवाई सेवा का उपयोग करते हैं।

उद्घाटन के बाद देवघर एयरपोर्ट के बाहर मंगलवार को लहराता तिरंगा।

सबसे नजदीक देवघर

भागलपुर से बागडोगरा	251 किमी
भागलपुर से दरभंगा	240 किमी
भागलपुर से पटना	241 किमी
भागलपुर से देवघर	121 किमी
बांका से देवघर	70 किमी
मुंगेर से देवघर	134 किमी
जमुई से देवघर	100 किमी
लखीसराय से देवघर	121 किमी

देवघर में बंपर टिकट बुकिंग की उम्मीद

एक ट्रेवल्स एजेंसी के संचालक संजय चूड़ीवाला ने बताया कि देवघर से हवाई सेवा शुरू होने से भागलपुर के लोगों को फायदा होगा। यहां बंपर बुकिंग की उम्मीद है। अभी देवघर से कोलकाता के लिए ही सिर्फ हवाई जहाज चल रहा है। फिर कोलकाता से लोग दूसरे राज्यों के लिए उड़ान भर रहे हैं। ऐसी स्थिति में अभी फिलहाल लोग देवघर से बुकिंग नहीं करा रहे हैं।

सौजन्य से हिन्दुस्तान | पटना | 13.07.2022 | पृष्ठ सं० 7

PMC: Smart parking lot at Maurya Lok likely this mth

Faryal.Rumi@timesgroup.com

Patna: The city residents are likely to get relief from haphazard parking of vehicles encroaching roads as the Patna Municipal Corporation (PMC) is to set up a systematic, IT-enabled parking system with a mobile phone app at Maurya Lok Complex and Transport Nagar this month.

Ranjeet Kumar

Vehicles parked at Maurya Lok Complex in Patna on Tuesday

The civic body is also to redesign 37 unorganized parking lots in the municipal area with the automated smart parking system in the next three months. The smart parking facilities will be equipped with boom barriers and RFID (radio-frequency identification) sensors to control the movement (entry and exit) of vehicles, smart ticketing system, CCTV cameras to record vehicle model and number and automated pay station.

Municipal commissioner Animesh Kumar Parashar said the new parking system will be ready at Maurya Lok Complex and Transport Nagar by the end of July. "The selected agency has been given the work order to complete the project on time. It will help avoid traffic congestion on road, which is often due to haphazard parking," he said.

"The two automated parking lots will be operational with a mobile phone app for people to book parking space and pay online before heading out," he added. The app will also show online the status of availability of parking slots. "Residents will get the real-time information about the parking lots and make pre-bookings to reserve their parking slot in advance. There would also be an option to make online payments as well," he said.

The other smart features of the project include smart card passes, display of real-time occupancy, digital signage, portable cabins and charging infrastructure for electric vehicles.

सौजन्य से टाइम्स ऑफ इंडिया | पटना | 13.07.2022 | पृष्ठ सं० 04

पटना जू की हरियाली दर्शकों को कर रही आकर्षित, मॉर्निंग वॉकर्स की है पहली पसंद

पटना. पटना जू जानवरों के संरक्षण के साथ ही अपनी हरियाली की वजह से भी लोगों को भी आकर्षित कर रहा है. स्वच्छ हवा और हरियाली की वजह से मॉर्निंग वॉक करने वाले लोगों के लिए यह पहली पसंद बना हुआ है. अत्यधिक पेड़-पौधे होने से यहां शहर के दूसरे इलाकों के मुकाबले पॉल्यूशन लेवल भी कम रहता है और तापमान में भी पांच डिग्री तक का अंतर रहता है. जू में फिलहाल 9212 लोगों ने मॉर्निंग वॉक के लिए पास बना रखा है. कोरोना काल से पहले यह संख्या करीब सात हजार थी. यहां रोजाना पास वाले 1200 वॉकर आ रहे हैं और टिकट लेकर 800 वॉकर आते हैं. नये नियम के तहत फिलहाल वार्षिक, अर्द्धवार्षिक और तिमाही पास ही निदेशक की अनुमति से बनाया जा रहा है.

9212 लोगों ने मॉर्निंग वॉक के लिए बना रखा है पास

1200 पास वाले रोज आते हैं मॉर्निंग वॉक करने के लिए

800 वॉकर्स रोजाना टिकट लेकर आते हैं

जू का ग्रीन कवर 84 %

मॉर्निंग वॉकर के अलावा जू में आने वाले दर्शकों को भी यहां की हरियाली अपनी ओर आकर्षित करती है . जू में आने वाले दर्शक रितेश बताते हैं कि शहर में यही एक जगह है, जहां आने पर लगता है कि किसी जंगल में आ गये हैं. जू प्रशासन की मानें, तो यहां की कुल क्षेत्रफल में 84 प्रतिशत ग्रीन कवर है . जू के अधिकारी का कहना कि यह रिकॉर्ड हाल ही में दर्ज किया गया है . जू में फिलहाल 30 हजार से अधिक पेड़-पौधे लगे हुए है, जो हरियाली का एहसास कराते हुए स्वच्छ वातावरण की भी अनुभूति प्रदान करते हैं. साल 2019 में जू प्रशासन की ओर से बड़े पैमाने पर पौधरोपण किया गया था.

सौजन्य से प्रभात खबर | पटना | 13.07.2022 | पृष्ठ सं० 09

भगवा वस्त्रों का बाजार 150 करोड़ के पार होने का अनुमान

कांवर यात्रा कल से

पटना, हिन्दुस्तान टीम। कांवर बाजार में दो साल बाद रौनक लौट आई है। सावन के बाजार भी गुलजार हैं। कांवर यात्रा शुरू होने से कांवरियों में जबरदस्त उत्साह है। कपड़ा से लेकर कांवर तक की खूब खरीदारी हो रही है। इस बार 150 करोड़ रुपये का कपड़ा बाजार होने का अनुमान है।

सावन गुरुवार से शुरू हो रहा है। बाजार में तौलिया, केसरिया रंग की गंजी, टी-शर्ट, कुर्ता-पायजामा, सूट, हाफ पैंट, साड़ियां, झोला, पिट्ठू बैग आदि की खरीदारी शुरू हो गई है। न्यू मार्केट के राजेश अग्रवाल कहते हैं कि इस बार केवल सावन में केसरिया कपड़ों का बाजार पटना में डेढ़ सौ करोड़ से ज्यादा रहने का अनुमान है। वहीं, न्यू मार्केट, कदमकुआं, कंकड़बाग से लेकर पटना सिटी तक में कांवड़ तैयार करने का काम तेज हो गया है। इस साल पुरुषों के लिए लीनेन और खादी की शर्ट पर शिव, पार्वती के अलग-अलग भाव-मुद्रा में तैयार ग्राफिक्स टीशर्ट कांवरियों को खूब पसंद आ रहे हैं। इसकी शुरुआती कीमत चार सौ रुपये से शुरू है। वहीं खादी की कुरती महिला बम को पसंद आ रही है। कपड़ा दुकानदार शशिभूषण कहते हैं कि इस वर्ष कपड़ों की कीमत में 15 से 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। बाजार में गमछा की कीमत 70 से 200 के बीच है।

15 से बीस फीसदी महंग हुए कांवरियों के कपड़े

30 से 40 फीसदी तक बढ़ गई है इस बार कांवड़ की कीमत

फलों की कीमत में उछाल, बेलपत्र की मांग बढ़ी

सावन शुरू होने के पहले फलों की कीमत में उछाल देखा जा रहा है। पटना जीपीओ गोलंबर और मीठापुर मंडी में सेब की कीमत 140 से 200 रुपये प्रति किलो बिक रहा है। वहीं, अनार व संतरा की कीमत 120 रुपये किलो, जबकि नासपाती 100 रुपये किलो बिक रहा है। आम की कीमत 70 से 80 रुपये किलो, अमरूद 60 से 100 रुपये किलो तक बिक रहा है। सावन में प्रतिदिन शिवालय में महादेव को जलाभिषेक करने वाले श्रद्धालुओ की संख्या बढ़ जाती है। इसके कारण बाजार में फूल, बेलपत्र, धतूरा आदि की मांग में इजाफा हो गया है। कंकड़बाग के सुनील मालाकार कहते हैं कि हर साल सावन में भगवान शिव को प्रिय चीजों की मांग बढ़ती है।

पटना की एक दुकान में कांवरियों के लिए कांवर तैयार करता दुकानदार। • हिन्दुस्तान

ऑर्डर देकर बनवा रहे डिजाइनर कांवर

पटना के न्यू मार्केट दुकानदार विनोद कुमार ने कहा कि दो वर्ष पहले की तुलना में इस बार कांवर की कीमतों में 40 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हो चुकी है। श्रद्धालु अपने लिए डिजाइनर कांवर के लिए लगातार आर्डर दे रहे हैं। कांवर की खाली जगहों पर महादेव की छोटी तस्वीरें भी शामिल की गई है। बाजार में कांवर की कीमत 350 रुपये से लेकर साढ़े पांच हजार रुपये के बीच है। सावन को देखते हुए चूड़ी बाजार में फिरोजाबाद से कांच की चूड़ियों, जयपुर से सीप और प्लास्टिक, दिल्ली से मेटल की चूड़ियों की नई रेंज मंगाई गई है। ममता श्रृंगार के धनंजय कुमार कहते हैं कि सावन को देखते हुए चूड़ी बाजार की तैयारी मुकम्मल है। कांच की हरी चूड़ियां महिलाएं ज्यादा खरीदती हैं।

सौजन्य से हिन्दुस्तान | पटना | 13.07.2022 | पृष्ठ सं० 4

बिहार कोविड अपडेट

⇒ कुल सक्रिय मामलों की संख्या	2344
⇒ पिछले 24 घंटे के दौरान नए पॉज़िटिव मामलों की संख्या	436
⇒ पिछले 24 घंटे के दौरान स्वस्थ हुए मरीजों की संख्या	361
⇒ कुल वैक्सीनेशन	13,86,25,309
⇒ कम से कम एक डोस	7,16,09,144
⇒ पूर्ण वैक्सीनेटेड	6,25,75,002

बिहार फाउन्डेशन नेटवर्क

विदेश अवस्थित चैप्टर

कतर

दक्षिण कोरिया

जापान

हॉग कॉग

यू.ए.ई.

सिंगापुर

बहरीन

न्यूजीलैंड

कनाडा

यू.एस.ए.

ऑस्ट्रेलिया

सऊदी अरब

देश अवस्थित चैप्टर

मुम्बई

हैदराबाद

पुणे

चेन्नई

नागपुर

गुजरात

कोलकाता

वाराणसी

गोवा

पाठकों से अपील

बिहार फाउन्डेशन के जुड़ने के लिए

बिहार फाउंडेशन उद्योग विभाग के अन्तर्गत राज्य सरकार की एक निबंधित सोसाईटी है जिसका मुख्य उद्देश्य राज्य के बाहर बसे देश-विदेश अवस्थित बिहारी समुदायों को उनके स्वयं के बीच तथा गृह राज्य के साथ जोड़ने का है। वर्तमान मे बिहार फाउंडेशन के कुल 21 चैप्टर्स हैं. बिहार फाउंडेशन से जुड़ने के लिए नीचे दिए वेबसाइट पर जाकर Non Resident Bihari Registration पर क्लिक करें और उपलब्ध फार्म को भरकर जमा करें -

https://biharfoundation.bihar.gov.in.